

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 17 सितंबर, 2022

हैदराबाद मुक्त दिवस

तेलंगाना सरकार और केंद्र सरकार द्वारा हैदराबाद की मुक्तिके 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर, 2022 को हैदराबाद मुक्त दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जो नज़ाम शासन के तहत भारतीय संघ के साथ तत्कालीन हैदराबाद राज्य के वलिय को दर्शाता है। हैदराबाद भारत के सबसे बड़े मूल नवासी/रियासतों में से एक था। यह नज़ाम द्वारा शासित था जिसने ब्रिटिश संप्रभु की सर्वोच्चता को स्वीकार किया था। जूनागढ़ के नवाब और कश्मीर के शासक की तरह हैदराबाद का नज़ाम भारत की आज़ादी यानी 15 अगस्त, 1947 से पूर्व भारत में शामिल नहीं हुआ था। उसे पाकस्तान और मुस्लिम मूल के नेताओं द्वारा एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा एकीकरण का वरिध करने के लिये अपने सशस्त्र बलों में सुधार करने हेतु प्रोत्साहित किया गया था। इस सैन्य सुधार के दौरान, हैदराबाद राज्य में आंतरिक अराजकता का उदय हुआ, जिसके कारण 13 सितंबर, 1948 को भारतीय सेना को 'ऑपरेशन पोलो' (हैदराबाद को भारत संघ में मलाने के लिये सैन्य अभियान) के तहत हैदराबाद भेजा गया था, क्योंकि हैदराबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति ने दक्षिण भारत की शांति के लिये खतरा पैदा कर दिया। सैनिकों को रज़ाकारों (एकीकरण का वरिध करने वाले नज़ी मलिशिया) के हल्के-फुल्के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और 13-18 सितंबर के मध्य सेना ने राज्य पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। अंततः हैदराबाद का भारत में वलिय हो गया।

स्वच्छता पखवाड़ा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 सितंबर, 2022 को स्वच्छता पखवाड़े की शुरुआत की और पर्यावरण की स्थिरता पर वार्षिक रिपोर्ट जारी की। रेल मंत्रालय 16 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है। स्वच्छता आम लोगों के लिये एकमिशन बन गया है। स्वच्छता पखवाड़ा अप्रैल 2016 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य भारत सरकार के मंत्रालयों/ वभागों के कार्यक्षेत्र में स्वच्छता के मुद्दों और प्रथाओं पर गहनता से बल देने के लिये पखवाड़े का आयोजन करना है। पखवाड़ा गतिविधियों के लिये मंत्रालयों की पहल में सहायता हेतु वार्षिक कलेंडर पहले से ही मंत्रालयों के मध्य परिचालित किया गया है। स्वच्छता पखवाड़ा मना रहे मंत्रालयों की स्वच्छता समीक्षा की ऑनलाइन मॉनीटरिंग प्रणाली का उपयोग करके नज़दीकी से मॉनीटरिंग की जाती है, जिस पर वे स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित कार्य योजनाएँ, चित्र, वीडियो अपलोड और साझा करते हैं। स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के बाद मंत्रालय/वभाग प्रेस कॉन्फ्रेंस तथा अन्य संवाद के तरीकों के माध्यम से अपनी उपलब्धियों की घोषणा करते हैं। पखवाड़ा के दौरान पखवाड़ा मना रहे मंत्रालयों को स्वच्छता मंत्रालय के रूप में समझा जाता है और उनके कार्यक्षेत्र में गुणात्मक स्वच्छता सुधारों की अपेक्षा की जाती है। पखवाड़े में स्वच्छता के साथ टीबी रोगियों की सेवा पर ध्यान दिया जाएगा तथा महा-रक्तदान शिविर आयोजित किये जाएंगे। पर्यावरण की स्थिरता पर वार्षिक रिपोर्ट 2020-21 रेलवे द्वारा हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रमुख बटुओं पर आधारित एक समग्र दस्तावेज़ है। यह रिपोर्ट रेलवे के शून्य कार्बन उत्सर्जन प्रयासों को दर्शाती है।

एनएमडीसी को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

राजभाषा वभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सूरत में 14 सितंबर, 2022 को आयोजित हिंदी दिवस समारोह के दौरान वर्ष 2021-22 के लिये राजभाषा कीर्ति पुरस्कार वितरित किये गए। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमति शाह ने की। राष्ट्रीय खनजि विकास नगिम लिमिटेड (NMDC) को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में राजभाषा कीर्ति-तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुमति देब ने यह पुरस्कार राज्यसभा के उप सभापति हरविश नारायण सहि से ग्रहण किया। भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम के रूप में वर्ष 1958 में नगिम लिमिटेड एनएमडीसी भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक नवरत्न कंपनी है। इसपात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में नगिम अपनी स्थापना के बाद से ही देश के कुछ सबसे दूरदराज़ के स्थानों में ताँबा, रॉक फॉस्फेट, चूना पत्थर, हीरा, टंगस्टन और समुद्री तट रेत सहित खनजिों की एक वसित शृंखला का अन्वेषण कार्य कर रहा है। वर्ष 2021 में राजभाषा को बढ़ावा देने के क्रम में एनएमडीसी को इसपात मंत्रालय के इसपात राजभाषा सम्मान से सम्मानित किया गया। एनएमडीसी की रचनात्मक और तकनीकी लेखन को प्रोत्साहित करने वाली गृह पत्रिका खनजि भारती को वर्ष 2021 में प्रकाशित पत्रिका की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।